

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii) श्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 18]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 15, 1982/यौब 25, 1903

No. 18]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 15, 1982 PAUSA 2. 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

शिक्षा धौर संस्कृति मंत्रालय (मुख्य लेखा कार्यालय)

ग्रधिस्थना

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1982

कारुबार 21(बा).—जबिक शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय, वेतन और लेखा कार्यालय, मारसीय पुरानस्य सर्वेक्षण, हैदराबाद में ज्ञियर लेखापाल के रूप में कार्यरम श्री मोहम्मद फहीमुद्दीन 23-1-1981 में 24-2-1981 तक कुट्टी पर गये थे जो उनके दिनाक 22-1-1981 के ब्रावेदन-पत्न पर उन्हें मन्जूर कर वी गई थी।

ग्रीर जबिक उक्त श्री फर्हामृद्दीन समय-समय पर खुद्दी बढ़ाने के लिये, ग्रीर छुट्टी बढ़ाने की यह श्रवधि 25-2-1981 से गुरू होती है, ग्रावेदन करते रहे है किन्सु केन्द्रीय निविल सेवा (ग्रवकाण) नियमावली, 1972 के नियम 7 के श्रनुसार उन्हे छुट्टी बढ़ाने की श्रनुसिन नहीं दी गई है भीर वे कार्य पर नहीं ग्राये हैं।

भीर जबकि उक्त श्री फर्हामुद्दान द्वाग अपने विनाक 22-1-1981 के श्रवेदन-पन्न में बताये गये छुट्टी के पने पर छुट्टी की अस्वीकृति के बारे में सूचना भेग दी गई थी।

ग्नौर जबकि उक्त विवरण में बताई गई सूचनायें शिवतरित ही वापस लोट ग्नाई हैं क्योंकि उक्त श्री पहीसुदीन उस छुट्टी के पने पर धब उपलब्ध नहीं हैं। भीर जबिक शिक्षा भीर संस्कृति मन्नालय के लेखा नियंत्रक (इसके बाद उन्हें ले॰िन कहा गया है) की यह राय है कि उक्त श्री पर्ह मुद्दीन ना कुछ यना टिकाना नहीं है।

शौर जबिक उनत श्री फहीमुद्दीन की 25-2-1981 से ह्यूटी से अनुपस्थित को अनाधिकृत और जानबूझकर अनुपस्थित रहना माना जा रहा है और ले॰नि॰ ने, जो उन्त श्री फहीमुद्दीम के संबंध में केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंखण और अपील) नियमावली, 1965 (इसके बाद इसको कें॰ सि॰ से॰ नियमावली कहा गया है) के नियम 12 के अन्तर्गत अनुशासनिक प्राधिकारी हैं, श्री फहीमुद्दीन के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने का निर्णय किया है।

ग्रौर नवांकि उसन निर्णय के श्रनुसरण उनन श्री फहें मुद्दीन के विरुद्ध मिम्नलिखित भारोप लगाये गये हैं.--

"कि उक्न श्री प्राहीमुद्दीन फरवरी, 1981 के दौरान श्रीर उसके बाद भारतीय पुरालक नवेंक्षण, हैदराबाद के बेतन श्रीर लेखा कार्यालय में कनिष्ठ लेखापाल के रूप में कार्य करते हुए सक्षम श्रीधकारी की श्रमुमित के बिना जानशूसकर इ्यूटी में गैर हाजिर रहे श्रीर इस प्रकार उन्होंने कर्तव्य के प्रति निष्ठा नहीं विखाई श्रीर इस प्रकार उन्होंने ऐसा श्राचरण किया है जो एक सरकारी कर्मनारी को शोभा नहीं देता श्रीर परिणामनः उन्होंने केन्द्रीय सिविल सेवा (श्राचरण) नियमावली, 1964 के कमशः नियम १(1)(ii) श्रीर 3(1)(iii) का उल्लंघन किया है"

चतः प्राव यह प्रधिसूचित किया जाता है कि यवि उक्त श्री फहीमुद्दीन उक्त श्रीरोप के विरुद्ध प्रथना बनाव पेण करना चाहते हो तो वे इस श्रिधसूचना के प्रकाशिन होने की नार्गिख से पन्न्रह दिनों की श्रवधि के अन्दर ने०नि० के सम्मुख व्यक्तिगत रूप से किसी भी कार्य दिवस पर भीर सामान्य कार्य समय के दौरान पेण हो सकते हैं अपवा ले०नि० को नाम से सबोधित रिजस्ट्री डाक द्वारा एक लिखित सूचना भेज सकते हैं, जिसमें उनके निवास स्थान का पता विया गथा हो तथा उस जांच में, जो के०सि०से० नियमावली के श्रनुसार उनके विरुद्ध की जायेगी, णामिल होने के लिये उनकी रजामन्त्री भी बताई गई हो। यदि इन अनुवेशों का अनुसार उक्त श्री फहीमुद्दीन के विरुद्ध पिरपूर्ण जाच की जायेगी और यवि इन अनुवेशों का पालन नहीं किया जाना है तो अनुसासनिक प्राधिकारी (ले०नि०) के०सि०से० नियमावली के श्रन्तान उपर्युक्त समझी जाने वाली धारों की कार्रवाई कर सकते हैं।

[सं० सी०-14013/1/81-मुख्य लेखा कार्यालय/35] बी०एन० कैला, लेखा नियंत्रक

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE. (Principal Accounts Office)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th January, 1982

S.O. 21(E).—Whereas Mr. Mohd. Fahimuddin employed as Junior Accountant in Ministry of Education and Culture Pay and Accounts Office, Archaeological Survey of India, Hyderabad proceeded on leave from 23-1-1981 to 24-2-1981 which was granted to him in response to his application dated 22-1-1981.

And whereas said Mr. Fahimuddin has been applying from time to time for extension of leave, the period of extension of leave commencing from 25-2-1981 but this extension has been refused in accordance with Rule 7 of the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 and he has not reported for duty.

And whereas intimations regarding refusal of leave were sent at the leave address mentioned by said Mr. Fahimuddin in his application dated 22-1-1981.

Any whereas the intimations mentioned in the preceding recital have been received back undelivered as said Mr. Fahimuddin is no longer available on that leave address.

And whereas the Controller of Accounts, Ministry of Education and Culture (hereinafter referred to as the CA) is of the opinion that whereabouts of said Mr. Fahimuddin are not traceable.

And whereas absence from duty by said M₁. Fahimuddin from 25-2-1981 is being treated as unauthorised and wilful and it has been decided by the CA who is the Disciplinary Authority under Rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 (hereinafter referred to as the CCA Rules) in respect of said Mr. Fahimuddin to take disciplinary action against Mr. Fahimuddin.

And whereas pursuant to this decision, the following article of charge has been framed against said Mr. Fuhimuddin:---

"That the said Mr. Fahimuddin while functioning as Junior Accountant in Pay and Accounts Office, Archaeological Survey of India. Hyderabad during February, 1981 and onwards wilfully absented himself from duty without permission of the competent authority and thereby did not maintain devotion to duty and also acted in a manner which is unbecoming of a Government servant and consequently violated Rules 3(1)(ii) and 3(1)(iii) Respectively of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964".

Now, therefore, it is noified that if said Mr. Fahimuddin desires to defend himself against the above-meutioned article of charge, he may appear in person before the CA on any working day and during normal working hours or send a written intimation by a registered post addressed to the CA by name, within a period of fifteen days from the date of publication of this notification indicating his residential address and his willingness to participate in the inquiry which may be conducted against him in accordance with the CCA Rules. If these instructions are complied with, a full-fledged inquiry may be held against said Mr. Fahimuddin according to Rule 14 of the CCA Rules and if these instructions are not complied with, the Disciplinary Authority (the CA) may take further action as 's considered appropriate under the CCA Rules.

[No. C-14013/1/81-Pr. A.O./35] V. N. KAILA, Controller of Accounts